

**कार्यालय अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, वन संरक्षण,
इन्दिरानगर फॉरेस्ट कालोनी, उत्तराखण्ड, देहरादून।**

Email- Nodalofficerddn@gmail.com

Phone/Fax-2767611

पत्रांक:- **465** FP/UK/HYD/22889/2016 दिनांक: देहरादून **18** अगस्त, 2020

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक,
भारत सरकार पर्यावरण,
वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
क्षेत्रीय कार्यालय, (उत्तर-मध्य क्षेत्र),
25 सुभाष रोड़, देहरादून।

विषय- जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सूपिन नदी पर प्रस्तावित 44 मेगावाट क्षमता की जखोल-सांकरी जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु 24.317 है० वन भूमि के सम्बन्ध में।
(FP/UK/HYD/22889/2016)

सन्दर्भ-भारत सरकार की पत्रांक सं०-8बी/यू०सी०पी०/०१/१४६/२०१८/एफ०सी०/१३४ दिनांक 20.05.2020 महोदय,

उपरोक्त विषयक सन्दर्भित पत्र के क्रम में अवगत कराना है कि सन्दर्भित पत्र सं० से दर्ज आपत्तियों का निराकरण निम्न प्रकार किया जा रहा है:-

1. आपत्तियां- In reply to point No. 07 of REC query. it is mentioned that the land for CA has been Selected in degraded RF land in tons Forest Division now. It is seen from DSS Analysis of 4 no of proposed CA sites that 10.00 ha area falls in VDF and 25.00 HA Falls in MDF. State Government may select suitable areas for raising CA ensuring that no VDF or MDF is falling in the area and submit upload required documents maps. A copy of the DSS Analysisi report showing patch-wise VDF, MDF, OF, NF, area is enclosed for ready reference.

निराकरण- उक्त आपत्ति के क्रम में पूर्व में चयनित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करने के पश्चात पाया गया कि देवदुंग कक्ष सं०-03 में 10.00 है०, रतेड़ी कक्ष सं०-04 में 10.00 है०, क्षेत्र वास्तव में झाडीनुमा एवं रिक्त है, क्षेत्र का वन घनत्व 0.4 से कम हैं। क्षेत्र ढालनुमा होने के कारण वहाँ विद्यमान वृक्षों के छत्र आपस में मिलने के कारण घने प्रतीत होते हैं। ये क्षेत्र वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त है।

जाख कक्ष सं०-13बी के अन्तर्गत पूर्व में प्रस्तावित किये गये (20.00 है०) क्षेत्र में से मात्र 10.00 है० क्षेत्र ही क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त है। अवशेष क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु घने क्षेत्रों को हटा कर पुनः जाख कक्ष सं०-08बी में 10.00 है० एवं रामा ब्लॉक कक्ष सं०-04ए में 10.00 है० अन्य क्षेत्रों का चयन किया गया है। जिनका वनभूमि घनत्व 0.4 से कम है, तथा वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त है। सभी चयनित क्षेत्रों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र०सं०	वनीकरण के लिए चयनित क्षेत्र	क्षेत्रफल (है० में)	उपयुक्त/अनुपयुक्त	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1	देवदुंग कक्ष सं०-03	10.00	उपयुक्त	क्षेत्रों के उपयुक्तता प्रमाण पत्र एवं जियो रॅफरेन्स मैप संलग्न प्रेषित है।
2	रतेड़ी कक्ष सं०-04	10.00	उपयुक्त	
3	जाख कक्ष सं०-13बी	10.00	उपयुक्त	
4	जाख कक्ष सं०-08बी	10.00	उपयुक्त	
5	रामा ब्लॉक कक्ष सं०-04ए	10.00	उपयुक्त	

2. आपत्तियां— It is seen from the “ Summary of CAT plan Activities and Financial Outlay” given in Chapter-7 of CAT plan provided with the hard copy that the financial outlay allocated for item no-1,2 and 4 comes to 30% of the total project cost but this cost should not have been more than 5% of the cost of CAT plan as per para-9-2 (v) of the guidehines of the Ministry. Moreover, The Monitoring Committee as per Composition provided in pare 9-2 (vii) of the guidelines has not been proposed in the CAT plan. State Govetnment may review the matter and ensure necessary corrections.

निराकरण-बिन्दु सं०-2. कैट प्लान के सम्बन्ध में उप निदेशक, गोविन्द वन्य जीव विहार/राष्ट्रीय पार्क पुरोला उत्तरकाशी के पत्र सं०-1727/12-1 दिनांक 27.05.2020 के द्वारा निराकरण कर दिया गया है जिसकी प्रति संलग्न कर प्रेषित है।

संलग्नक-यथोपरि।

अतः प्रकरण प्र वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत स्वीकृति निर्गत करने का कष्ट करें।

भवदीय,

—————

(डी०जे०के० शर्मा)

18/5/20

अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी